दो रुपये | TWO RUPEES | भारत | सत्यमेव जयते | दो रुपये | TWO RUPEES

सच्ची प्रतिलिपि
27-1-98
वास्ते जिला निबंधक
देवघर

रख्या ८५
20-1-98

दान पत्र कीमत कुल ३८०००) रुपये मात्र

दानदाता ÷ श्री विपिन प्रसाद श्रीवास्तव पिता स्वर्गीय मुसाफिर प्रसाद जाति हिन्दू पेशा नौकरी साकिन सुभानपुर पत्रालय परसा पट्टी थाना साहेबगंज जिला मुजफ्फरपुर।

दान ग्रहितृ ÷ श्री मती मुन्नी श्रीवास्तव पिता श्री मधुसुदन प्रसाद सिन्हा पति श्री उमेश कुमार श्रीवास्तव जाति कायस्थ पेशा गृहस्वामिनी साकिन मुसाँव पत्रालय हरिहरपुर थाना बनियाँपुर सबडिविजन सबरजिस्ट्री व जिला छपरा वर्तमान साकिन "डाक्टर-लाँज" सत्संग नगर आर॰ एन॰ बोस रोड बी॰ देवघर थाना सबडिविजन सबरजिस्ट्री व जिला देवघर।

लेख्य प्रकार ÷ दान पत्र।

कीमत जायदाद ÷ कुल ३८०००) अड़तीस हजार रुपये मात्र।

विवरण जायदाद ÷ निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित है।

वा॰ जि॰ नि॰ मुन्नी श्रीवास्तवा

दो रूपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

विदित हो कि जिला संथाल परगना वर्त्तमान जिला देवघर सबडिविजन सबरजिस्ट्री व थाना देवघर मौजा हिरना के अन्दर राजनारायण बसु रोड सत्संग नगर में स्थित बसौढ़ी सत्व की जमीन तदुपरिस्थित "डाक्टर्स लॉज" नामक मकानादि अन्दर मिलजुमले जमाबंदी नं० ५/२८६६, ६/२८६६क एवं ६/२८६६ अन्दर हलका देवघर नगरपालिका वार्ड नं० ११ होल्डिंग नं० पुराना २३ के मालिक व अधिकारी डाक्टर बरीद बरन सेन वगैरह थे। सन १९६५ ईस्वी में रजिस्ट्रार ऑफ एसुरेन्सेस कलकत्ता से रजिस्ट्रीकृत बंटवारा नामा दलील (पुस्तक संख्या १ जिल्द संख्या ११९ पृष्ठ संख्या १०८ से १२६ में निबंधित जिसकी संख्या २५२६ वर्ष १९६५) के द्वारा उक्त सम्पत्ति "डाक्टर लॉज" का सात अंशदारों के बीच बंटवारा हुआ। उक्त बंटवारा नामा के अनुसार उक्त सम्पत्ति डाक्टर लॉज के अन्दर Schedule "H" का Lot No "2" रकवा रोहिणी स्टेट के माप से ५ कट्ठा १० धुर यानि १३६२३ वर्गफीट तदुपरिस्थित कुआँ सुनील बरन सेन पिता स्व० जीतेन्द्र कुमार सेन साकिन १०९/२३ हाजरा रोड कलकत्ता पश्चिम बंगाल के हिस्से में मिली। उपर्युक्त सुनील बरन सेन बंटवारा की तिथि से उक्त अपने हिस्से की सम्पत्ति पर अलग रूप से दखलकार होकर निर्विवाद रूप से

JHARKHAND

वा० जि०नि०   मुन्नी श्रीवास्तवा

भोग दखल करते हुए दिनांक २२-१०-१९८० ईस्वी रजिस्ट्री ऑफिस देवघर से रजिस्ट्रीकृत खरीद केवाला दलील पुस्तक संख्या १ जिल्द संख्या १० वास्ते १९८४ पृष्ठ संख्या १५५ से १६१ में निबंधित जिसकी संख्या २५८६ वर्ष १९८०) के द्वारा उक्त अपने हिस्से की सम्पत्ति के अन्दर सब प्लाट नं० "१" रकबा १२०० वर्गफीट यानि ४०'x४५' फीट अन्दर टाउन प्लान प्लाट नं० १४२० अन्दर मिल जुमले जमाबंदी नं० ५।२८६६, ६।२८६६ क तथा ६।२८६६ अन्दर इलका देवघर नगरपालिका वार्ड नं० ११ होल्डिंग नं० पुराना २३ बमोजीब उक्त दस्तावेज संख्या २५८६ वर्ष १९८० के संलग्न नक्शे में लाल रंग से रंगा अंश मय कुल एक एकुक उपर्युक्त मुझ दान दाता के पास बिक्री कर देने पर मैं दान दाता उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर आजतक निर्विवाद रूप से दखलकार हूँ। उपर्युक्त दान ग्रहिता श्रीमती मुन्नी श्रीवास्तव मुझ दान दाता की बड़ी बहन की प्रथम पुत्री है जो सम्बन्ध में मुझ दान दाता की भगनी है। उपर्युक्त मैं दानदाता उपर्युक्त दान ग्रहिता को बचपन से ही बड़ा लाड़ प्यार व दुलार किया है। दान ग्रहिता की शादी के समय में ही मुझ दान दाता के मन में आन्तरिक इच्छा हो गयी थी कि इसे कुछ अचल सम्पत्ति दान कर दूँ लेकिन शादी के समय इसे कुछ भी दान नहीं कर सका यह चिन्ता मुझे बराबर लगी है। दान ग्रहिता के असीम आचरण व स्नेहपूर्ण व्यवहार से मैं दान दाता अत्यन्त खुश हूँ। इसलिये आज तारीख मैं दानदाता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वस्थता में रहकर

वा० जि० नि०   मुन्नी श्रीवास्तव

बिना किसी के दवाब या बहकावे के उक्त खरीदगी सम्पत्ति जिसका पुर्ण विवरण निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित है तथा जो संलग्न नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया है मय कुल हक हकुक आप दान ग्रहित के पास दान कर दिया और आपके दखल कब्जे में दे दिया जिसे दान ग्रहित ने सहर्ष स्वीकार व अंगीकार किया। अब आप दान ग्रहित मुझ दान दाता के सत्व व दखल से सत्ववती व दखलकारिणी होकर मय अपने पुत्र पौत्रादि वारिसान व स्थलाभिषिक्त गण क्रमः से भोग दखल दान बिक्री मोरगेज व नाना प्रकार के वारदेन तथा हस्तान्तरण आदि करने की अधिकारिणी होकर स्वेच्छा पुर्वक भोग दखल करती रहें इसमें मुझ दान दाता मय वारिसान को किसी भी तरह की उज्र आपत्ति नही होगी न कोई कर सकेगा। अगर कोई करे तो वह सरे अदालत नाजायज व वातिल होगा। निम्न दानकृत सम्पत्ति का मैं दान दाता ही एकमात्र मालिक हूँ इसमें दुसरा कोई अंशदार या दखलकार नही है व इसके पहले निम्न सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दाय संयुक्त या हस्तान्तरण आदि नही किया हूँ! हर तरह से साफ व पाक है। दानकृत सम्पत्ति के बावत अगर भविष्य में मुझ दान दाता मय वारिसान को कुछ लिखना या करना पड़ेगा तो ऐसी हालत में मैं दान दाता मय वारिसान वैसा लिखने व करने को तैयार रहूँगा। आप दान ग्रहित मय वारिसान दानकृत सम्पत्ति के बावत सरकारी सिरिस्ता में अपना नाम दर्ज कराकर वार्षिक मालगुजारी व टैक्स आदि अदाय करते हुए रसीद प्राप्त किया करेगी। अलावा आज तारीख में

[signature] मु० जि०नि०   मुन्नी श्रीवास्तवा

दान दाता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वस्थता में रहकर बिना किसी के दबाब या बहकावे के यह दान पत्र लिख दिया जो वक्त पर काम आवे इति तारीख २०-१-१९९८ ईस्वी।

तफसील सम्पत्ति ÷ थाना नं० २६९ जिला सबडिविजन सबरजिस्ट्री व थाना देवघर मौजा हिरना के अन्दर आर० एन० बसु रोड पर बसौढ़ी सत्व की जमीन टाउन प्लान प्लाट नं० १४२० का अंश सब प्लाट नं० "१" रकबा १८०० वर्गफीट एक हजार आठ सौ वर्गफीट मय कुवाँ अन्दर मिलजुमले जमाबंदी नं० ५।२८६६, ६।२८६६ के और ६।२८६६ अन्दर इलका देवघर नगरपालिका वार्ड नं० ११ होल्डिंग नं० पुराना २२ का अंश जो संलग्न नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया है मय कुल हक हकुक दान दिया जिसकी चौहद्दी ÷ उत्तर ÷ सब प्लाट नं० "३" इच्चर की माप पुरबा पश्चिमा ४५-'०" फीट। दक्षिण ÷ १०-'०" फीट चौड़ा कौमन पैसेज। इच्चर की माप पुरबा पश्चिमा ४५-'०" फीट। पुरब ÷ म्युनिसीपल रोड (आर० एन० बसु रोड) इच्चर की माप उत्तरा दखिना ४०-'०" फीट। पश्चिम ÷ दिनेश्वर प्रसाद वर्मा की जमीन सबप्लाट नं० "२" इच्चर की माप उत्तरा दखिना ४०-'०" फीट। घोषणा ÷ उक्त दानकृत सम्पत्ति बसौढ़ी है तथा लीज से मुक्त है। निर्धारित मुल्यांकन के अनुसार स्टाम्प दिया गया है।

द० विपिन प्र० श्रीवास्तव ÷ गवाहान ÷ द० राजेन्द्र प्र० राम द० संतोष कुमार सिन्हा, दान पत्र पढ़कर फरीकैन को सुना व समझा दिया का० सीताराम पंडित डीडराइटर देवघर २०-१-९८ द० विपिन प्र० श्रीवास्तव २०-१-९८ द० मुन्नी श्रीवास्तव २०-१-९८ द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव

मुन्नी श्रीवास्तवा

ना० लि०

द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० विपिन प्र० श्रीवास्तव द० मुन्नी श्रीवास्तव द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 विपिन प्र० श्रीवास्तव सा० सुजानपुर था० साहेबगंज जि० मुजफ्फरपुर वास्ते दान पत्र। 1000X1, 500X2, 100X9, 50X1 = 2950=00 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98 द० अस्पष्ट 17-11-97 कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार क्रम संख्या 3453 Sd. B. Prasad 20-1-98

Stamp.

1000X1 = 1000=00
500X2 = 1000=00
100X9 = 900=00
50X1 = 50=00

2950=00

[signature]
जा० जि० नि०

मुन्नी श्रीवास्तव

[illegible]

[illegible] 22 [illegible]

[illegible]

[illegible] Sd. S. B. Tiwary
20-1-98

शुल्क प्राप्त

AW 1520=00
E 100=00
NW 36=00
1656=00

Sd. N. C. Das
20-1-98

विपिन प्रसाद श्रीवास्तव
मुसाफिर प्रसाद
सुभाषपुर
हिन्दू नौकरी

[illegible]

[illegible] 20-1-[illegible]
[illegible] 10-1 [illegible]
देवघर

द. विपिन प्र० श्रीवास्तव
20-1-98

Sd. S. B. Tiwary
20-1-98

उपर्युक्त विपिन प्रसाद श्रीवास्तव तथा मुन्नी श्रीवास्तव ने लेख का निस्पादन स्वीकार किया है उनकी पहचान राजेन्द्र प्रसाद राम पिता किसुन राम सा० कास्टेयर टाउन "महाबीर धाम" देवघर पे० सेवा।

O द. विपिन प्र० श्रीवास्तव 20-1-98

O द. मुन्नी श्रीवास्तव 20-1-98

O द. राजेन्द्र प्र० राम ता० 20-1-98

Sd. S. B. Tiwary
नि० प०
20-1-98

[illegible] 5.2.22

नकल किया वो पढ़ा	मिलान किया	पृष्ठ 1 से 6 तक
जगदेव दास	सीताराम किस्कू	[illegible] 27-1-98
अ० लि०	अ० लि०	वास्ते जिला निबंधक
26-9-98	26-9-98	देवघर

मुन्नी श्रीवास्तवा

... Land under ... within Deoghar Municipal ward No- XL, ... B. No- 5/2877, 6/2877, 8 7/2877, part of T. P. plot No- 1240, sub plot No- 1 Area- 1800 sqft. shown in Red colour, Belongs to Sri Bipin Prasad Srivastava of Salempur, P.S.- Sahebganj, Dist:- Muzaffarpur & Now Gifted to Smt Munni Srivastava. D/o Sri Madasudan Prasad Sinha at Harihorpur, P.S. Baniapur Dist- Chhapra, At present Doctor Lodge, Satsang Nagar, R.N. Bose Road Deoghar.

ह०:- विपिन प्रसाद श्रीवास्तव

ह०- मुन्नी श्रीवास्तव

सच्ची प्रतिलिपि

27-1-98

वास्ते जिला निबंधक देवघर

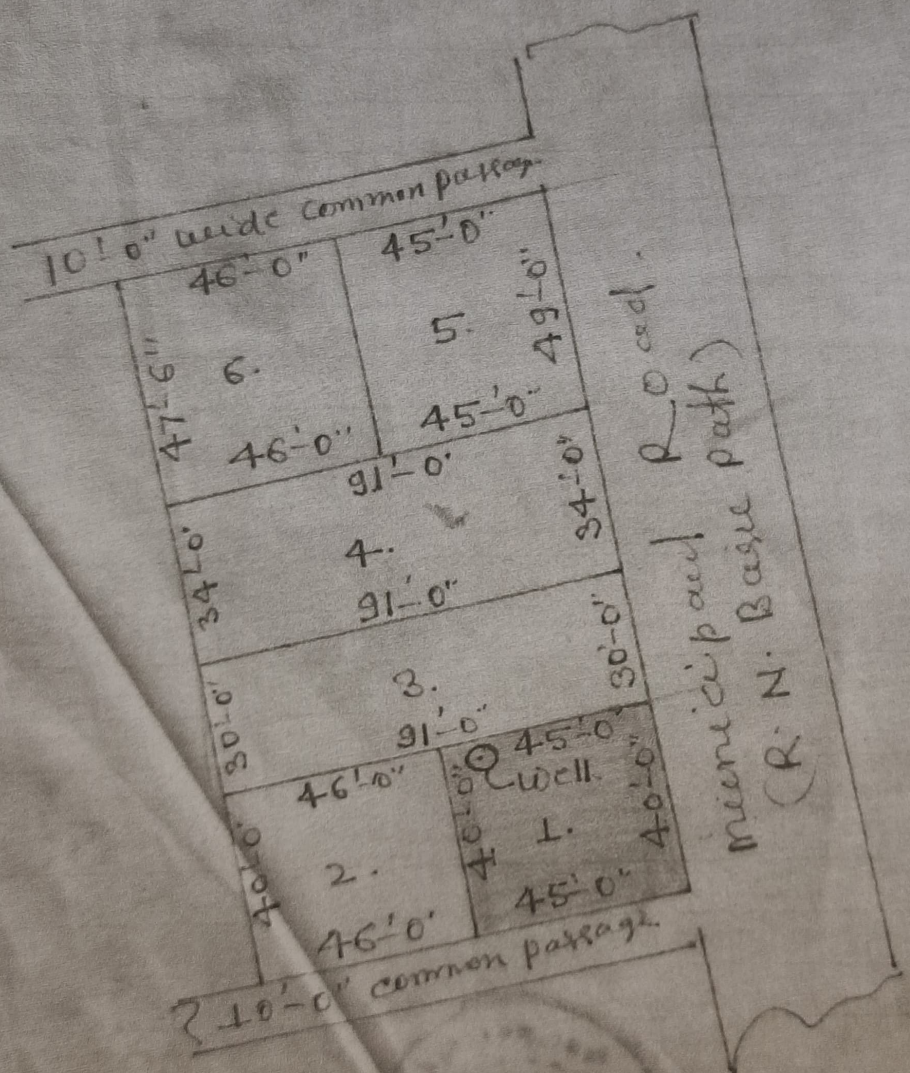

Traced by A. B. Mistry A. 19.1.98.

मुन्नी श्रीवास्तवा

दो रुपये — सत्यमेव जयते — दो रुपये

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

सी० नं० 132
डी० नं० 120
ता० 23/1/98

सच्ची प्रतिलिपि
27.1.98
वास्ते जिला निबंधक,
देवघर।

दान पत्र कीमत कुल 39,000/- रुपये मात्र।

दानदाता:- श्री दिनेश्वर प्रसाद वर्मा पिता स्व० मुसाफिर प्रसाद वर्मा जाति हिन्दु, पेशा काश्तकारी, साकिन सुभानपुर, पत्रालय, परसा पट्टी, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर।

दान ग्रहितृ:- श्री मती मुन्नी श्रीवास्तव पिता श्री मधुसूदन प्रसाद सिन्हा पति श्री उमेश कुमार श्रीवास्तव जाति कायस्थ, पेशा गृहस्वामिनी, साकिन भुसाँव, पत्रालय - हरिहरपुर, थाना बनियापुर, सब डिविजन, सबरजिष्ट्री व जिला छपरा वर्तमान साकिन डाक्टर लॉज, सत्संग नगर, आर० एन० बोस रोड, बी० देवघर, थाना, सब डिविजन, सबरजिष्ट्री व जिला देवघर।

लेख्य प्रकार:- दान-पत्र।

सम्पत्ति की कीमत:- कुल 39,000/- उनचालीस हजार रुपये मात्र।

सम्पत्ति का विवरण:- निम्न अनुसूचित सम्पत्ति में वर्णित है।

विदित हो कि जिला संथाल परगना वर्तमान जिला देवघर, सब डिविजन, सबरजिष्ट्री व थाना देवघर मौजा हिरना के अन्दर राज नारायण बसु रोड सत्संगनगर में स्थित बसौडी सत्व की जमीन तदुपरि स्थित "डाक्टर्स

मुन्नी श्रीवास्तवा

दो रुपये TWO RUPEES सत्यमेव जयते भारत TWO RUPEES दो रुपये

लॉज" नामक मकानादि, अन्दर मिलजुमले जमाबंदी नं० ५/२८६६, ६/२८६६ क एवं ६/२८६६, अन्दर हल्का देवघर नगर पालिका वार्ड नं० ११ होल्डिंग नं० पुराना 23 के मालिक व अधिकारी डाक्टर बरीद बरन सेन वगैरह थे।

सन १९६५ ईस्वी में रजिस्ट्रार औफ ऐसुरेन्सेस कलकत्ता से रजिस्ट्रीकृत बंटवारा नामा दलील पुस्तक संख्या जिल्द संख्या ११७, पृष्ठसंख्या १०८ से १२६ में निबंधित जिसकी संख्या २५२६ वर्ष १९६५) के द्वारा, उक्त सम्पत्ति "डाक्टर्स लॉज" का सात अंशदारों के बीच बंटवारा हुआ।

उक्त बंटवारा नामा के अनुसार उक्त सम्पत्ति "डाक्टर्स लॉज" के अन्दर Schedule "H" का Lot No. "2" रकबा रोहिणी स्टेट के माप से ५ कट्ठा १० धुर यानि १३६23 वर्ग-फीट तदुपरिलिखित कुवां सुनील बरनसेन पिता स्व० जीतेन्द्र कुमार सेन साकिन १०७/123 हजरा रोड कलकत्ता पश्चिम, बंगाल के निवासी के हिस्से में मिली।

सुनील बरनसेन उक्त अपने हिस्से की सम्पति पर बंटवारा की तिथि से अलग रूप से दखलकार होकर निर्विवाद रूप से भोग दखल करते हुए दिनांक 23-१०-१९७० ईस्वी रजिस्ट्री औफीस देवघर से रजिस्ट्रीकृत साफ केवाला दलील (पुस्तक संख्या १, जिल्द संख्या ३१७, पृष्ठ-संख्या ५७० से ५७६ में निबंधित जिसकी संख्या २५७० वर्ष १९७०) के द्वारा, उक्त अपने हिस्से की सम्पत्ति के

मुन्नी श्रीवास्तवा . B. B.

अन्दर सबप्लाट नं० "2" रकबा 1.840 वर्गफीट, (यानि 46'X40 फीट) अन्दर टाऊन प्लान प्लाट नं० 1420, अन्दर मिलजुमले जमाबंदी नं० 5/2866, 6/2866 क और 6/2866 अन्दर हलका देवघर नगरपालिका वार्ड नं० 11, होल्डिंग नं० पुराना 23, बमोजीब उक्त दस्तावेज संख्या 2558 वर्ष 1990 के संलग्न नक्शों में लाल रंग से रंगा अंश मय कुल हक हकूक, उपरोक्त मुझ दानदाता के पास बिक्री कर देने पर मैं दानदाता उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर आज तक निर्विवाद रूप से दखलकार हूँ।

उपर्युक्त दान ग्रहिता श्रीमती मुन्नी श्रीवास्तव मुझ दान दाता की बड़ी बहन की प्रथम पुत्री है, जो सम्बन्ध में मुझ दानदाता की भगनी है। उपर्युक्त मैं दानदाता, उपर्युक्त दान ग्रहिता को बचपन से ही बड़ा लाड़ प्यार व दुलार किया है। दान ग्रहिता के शादी के समय में ही मुझ दानदाता के मन में आन्तरिक इच्छा हो गयी थी उसे कुछ अचल सम्पत्ति दान कर दूँ. लेकिन शादी के समय में इसे कुछ भी दान न कर सका, यह चिन्ता मुझे बराबर लगी हुई है। दान ग्रहिता के असीम आचरण व स्नेहपूर्ण व्यवहार से मैं दानदाता अत्यन्त खुश हूँ।

इसलिये आज तारीख मैं दान दाता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वस्थता में रहकर बिना किसी के दबाव या बहकावे के उक्त खरीदगी सम्पत्ति जिसका पूर्ण विवरण निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित है, जो संलग्न, नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया है, मय कुलहक हकुक, आप दान ग्रहिता के पास दानकर दिया और आपके दखल कब्जे में दे दिया जिसे दान ग्रहिता ने सहर्ष स्वीकार व अंगीकार किया।

मुन्नी श्रीवास्तवा

अब दान ग्रहिता -मुझ दान दाता के सत्व व दखल से सत्ववती व दखलकारिणी होकर मय अपने पुत्र-पौत्रादि वारिसान व स्थलाभिषिक्त गण क्रमः से भोग, दखल, दान, बिक्री, मोर्टगेज व नाना प्रकार के बारदेन व हस्तान्तरण आदि करने की अधिकारिणी होकर स्वेच्छा पूर्वक भोग दखल करती रहें, इसमें मुझ दानदाता मय वारीसान को किसी भी तरह की उज्र आपत्ति नहीं होगी, न कोई कर सकेगा, अगर कोई करे तो वह न्यायालय से निरस्त होगा।

दान कृत सम्पत्ति का मैं दानदाता ही एक मात्र मालिक हूँ। इसमें दुसरा कोई अंशदार या दखलकार नहीं है, व इसके पहले निम्न सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दाय संयुक्त या हस्तान्तरण आदि नहीं किया हूँ हर तरह से साफ व पाक है।

दान कृत सम्पत्ति के बावत अगर भविष्य में मुझ दानदाता मय वारिसान को कुछ लिखना या करना पडेगा तो ऐसी स्थिति में, मैं दानदाता मय ~~वारिसान~~ वारिसान वैसा लिखने व करने को तैयार रहूँगा।

आप दानग्रहिता मय वारिसान दान कृत सम्पत्ति के बावत सरकारी सिलिसता में नाम ~~~~ दर्ज कराकर वार्षिक मालगुजारी व टैक्स आदि अदाकर रसीद प्राप्त किया करेगी।

अत एव आज तारीख मैं दानदाता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वच्छता में रहकर बिना किसी के दबाव या बहकावे के यह दान पत्र लिख दिया जो वक्त पर काम आवे इति तारीख 23।11।1988 ईस्वी।

अनुसूचित सम्पत्ति

थाना नं० 298 जिला, सबडिविजन, सबरजिष्ट्री व थाना देवघर, मौजा हिरना के अन्दर बसौडी सत्व की जमीन टाऊन प्लान

मुन्नी श्रीवास्तवा

का.जि.नि.

प्लाट नं० 1820 का अंश सबप्लाट नं० "2" रकबा 1840 वर्गफीट, एक हजार आठ सौ चालीस वर्गफीट जिसकी माप उत्तर व दखिन तरफ पुरबा - पश्चिमा 46'-0" फीट तथा पुरब व पश्चिम तरफ उत्तरा - दखिना 40'-0" फीट, अन्दर मिलजुमले जमाबंदी नं० 5/2866, 6/2866 क, और 6/2866, अन्दर इलका देवघर नगरपालिका वार्ड नं० 11, होल्डिंग नं० पुराना 23 का अंश, जो सामील शुदा नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया है, मय कुल हक हकुक दान दिया जिसकी चौहद्दी :—— उत्तर :- सब प्लाट नं० 3, दक्षिण :- 10'-0" फीट चौडा कौमन पैसेज। पुरब :- सब प्लाट नं० 1, पश्चिम :- रेखा सेनका मकान जो एम० एस० सी० सिन्हा ने खरीद की है।
घोषणा :- उक्त दान कृत सम्पत्ति बखौडी है तथा लीज से मुक्त है निर्धारित मुल्यांकन के अनुसार स्टाम्प दिया गया है। ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 गवाहान :——
(1) राजेन्द्र प्र० राम पिता - श्री किशुन रामपता - महाबीर धाम कास्टर टाउन डी० देवघर ता० 23/1/98 (2) राकेश कुमार सिन्हा वल्द - श्री मधुसुदन प्रसाद सिन्हा सत्संग नगर देवघर ता० 23/1/98 दान पत्र पढ़कर फरीकैन को सुना व समझा दिया का० सीताराम पंडित डीडराईटर देवघर 23/1/98. ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव 23/1/98. ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव 23/1/98 ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव 23/1/98 ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव 23/1/98 ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव 23/1/98 ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव 23/1/98 ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव 23/1/98 ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98 ह० मुन्नी श्रीवास्तव

मुन्नी श्रीवास्तवा

का० लि० नि०

ह० अस्पष्ट 17.1.98 मुहर कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार सी०न० 36 ८√ श्री दिनेश्वर प्रसाद वर्मा सा० जुमानपुर थाना साहेबगंज जिला मुजफ्फरपुर वास्ते - दान पत्र 2000×1, 1000×1, 20×1, 5×1 = 3025 रु० तीन हजार पच्चीस रुपये मात्र। Sd M.P. Keshri 23/1/98 ह० अस्पष्ट 17/1/98 मुहर कोषागार पदाधिकारी देवघर जिला देवघर बिहार सी०न० 36 ८√ के साथ Sd M.P. Keshri 23/1/98 ह० अस्पष्ट 17/1/98 Seal Stamp Clerk, Deoghar Treasury, P.O. & Dist. Deoghar. सी०न० 36 ८√ के साथ Sd M.P. Keshri 23/1/98 ह० अस्पष्ट 17/1/98 Seal Stamp Clerk, Deoghar Treasury, P.O. & Dist. Deoghar सी०न० 36 ८√ के साथ Sd M.P. Keshri 23/1/98. Stamp. 2000×1 = 2000 Rs.
1000×1 = 1000 Rs.
20×1 = 20 Rs.
05×1 = 05 Rs.

3025 Rs.

2345 रु०
780 रु० (M)

3125 रु०

[illegible] 23 [illegible]

Sd S.B. Tiwary
23/1/98

शुल्क प्राप्त

A(i) 1560 रु०
F. 100 रु०
N(a) 36 रु०

1696 रु०

Sd N. Das. 23/1/98.

[illegible]

मुक्ति श्रीवास्तवा

7

दीनेश्वर प्रसाद वर्मा

मुसाफिर प्रसाद वर्मा

सुल्तानपुर जिला मुजफ्फरपुर

हिन्दू नौकरी

23/1/98

पु०

देवघर

ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा ता० 23/1/98

Sd S.B. Tiwary 23/1/98

उपर्युक्त दिनेश्वर प्रसाद वर्मा तथा मुन्नी श्रीवास्तव ने लेख्य का निष्पादन स्वीकार किया है उनकी पहचान राजेन्द्र प्रसाद राम पिता श्री किशुन राम महावीर धाम, कास्टर टाउन देवघर पेशा नौकरी ने की है।

ह० दीनेश्वर प्रसाद वर्मा
ता० 23/1/98

ह० मुन्नी श्रीवास्तव
23/1/98

ह० राजेन्द्र प्र० राम
ता० 23/1/98

Sd S.B. Tiwary
नि० प०. 23/1/98

नकल किया व पढ़ा
L.B. Gupta
लिपिक
27/1/98

मिलान किया
[illegible]
लिपिक 27.1.98

"पेज नं० 01 से पेज नं० 07 तक नकल की एक प्रति संलग्न एवं शुद्ध कथन है।"

[signature]
27.1.98

वास्ते जिला निबंधक,
देवघर

मुन्नी श्रीवास्तवा

... Mouza:- Hirna No. 269 within Deoghar, Municipal Ward No:- XI, Part of T.P. Plot No. 1420. Sub Plot No:-2, Area:- 1840 sq.ft Shown in Red Colour, Belong's to Sri Dineshwar Pd. Verma of Subhanpur, P.S:- Sahebganj, Dist. Muzaffarpur and Now Gift in Favour of Smt. Munni Srivastava D/o Sri Madusudan, Pd Sinha.

True Copy.

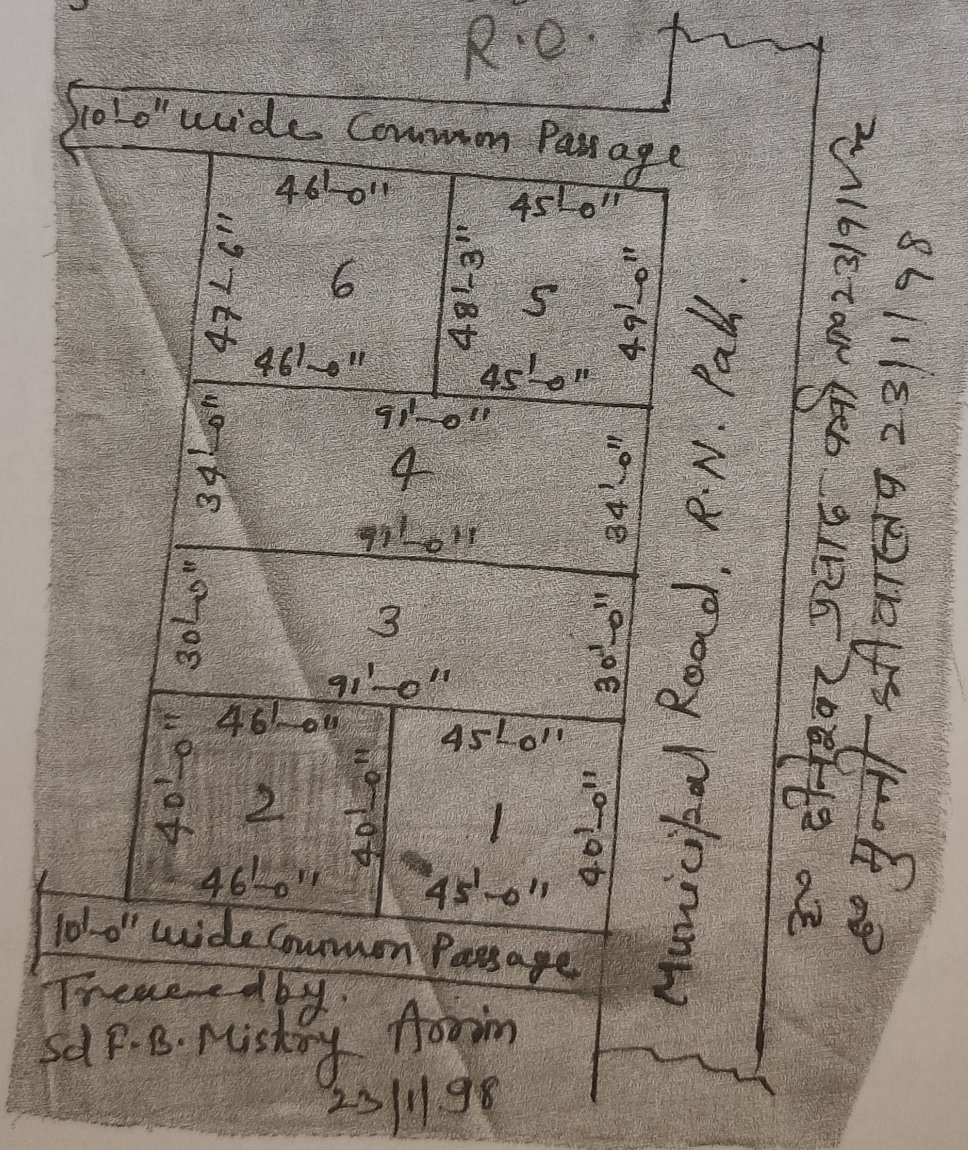

R.O.

Traced by.
Sd F.B. Mistry Amin
23/11/98

4/2/22

मुन्नी श्रीवास्तवा